॥ श्रीश्रीगुरु-गौराङ्गौ जयतः ॥

वैष्णव-व्रतोत्सव-तालिका

मथुरा-वृन्दावन(अक्षांश—२७°३०' उत्तर और रेखांश—७७°४१' पूर्व)के लिए गणित

विक्रम सम्वत् २०७५ ई॰ २०१८-२०१९

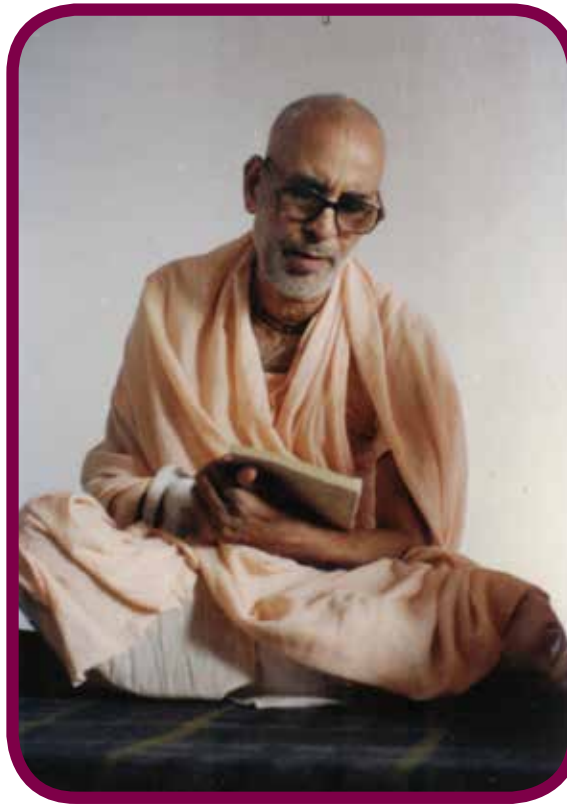

नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री

श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजके

आदेश-निर्देशानुसार उनके चरणाश्रितजनों

द्वारा सम्पादित

॥ श्रीश्रीगुरु-गौराङ्गौ जयतः ॥

'श्रीहरिभक्तिविलास' नामक वैष्णवस्मृति द्वारा सम्मत
तथा
सूर्यसिद्धान्तके अनुसार गणित 'विशुद्ध-सारस्वत श्रीचैतन्य-पञ्जिका' (नवद्वीप)
एवं 'विश्व-पञ्चाङ्ग' (काशी) पर आधारित

वैष्णव-व्रतोत्सव-तालिका

मथुरा-वृन्दावन (अक्षांश-२७°३०' उत्तर और रेखांश-७७°४१' पूर्व) के लिए गणित

श्रीगौराब्द	५३२	**ई॰**	२०१८-२०१९
विक्रम सम्वत्	२०७५	**भारतीयाब्द (शकाब्द)**	१९३९-१९४०

श्रीकृष्णचैतन्याम्नाय दशमाधस्तनवर
श्रीगौड़ीयाचार्य-केशरी
नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री
श्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजके
अनुगृहीत

नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री
श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजके
आदेश-निर्देशानुसार उनके चरणाश्रितजनों
द्वारा सम्पादित

गौड़ीय वेदान्त प्रकाशन

[नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराज एवं श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त त्रिविक्रम गोस्वामी महाराजके द्वारा लिखित बंगला पञ्जिकाकी भूमिकाके आधारपर]

भूमिका

श्रीश्रील गुरुदेव नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजकी अहैतुकी अनुकम्पा, प्रेरणा और उनके आदेश-निर्देशके अनुसार हम इस वैष्णव-व्रतोत्सव-तालिकाको प्रस्तुत करनेमें समर्थ हुए हैं। यह तालिका श्रीकृष्ण-चैतन्यदेवके एकान्त अनुगत रूपानुग-वैष्णवोंके द्वारा पालन किए जानेवाले विशुद्ध-सिद्धान्तों एवं आचारकी प्रचारक है। जगद्गुरु ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुर प्रभुपादकी विचारधाराको लेकर ही यह तालिका सङ्कलित हुई है।

इस तालिकामें लिखित समस्त व्रतोपवास ही 'श्रीहरिभक्तिविलास' के मतानुसार हैं। वैष्णव-महाजनोंके आविर्भाव-तिरोभाव, यात्रा-महोत्सव, एकादशी आदि हरिवासर, चातुर्मास्य और ऊर्जाव्रत आदि समस्त व्रतोपवासोंमें ही विद्धा विचार करना एकान्त कर्त्तव्य है। श्रीहरिभक्तिविलासमें कहा गया है—"पूर्वविद्धा सदा त्याज्या, परविद्धा सदा ग्राह्या अर्थात् पूर्वविद्धा तिथि सर्वदा त्याग करने योग्य है तथा परविद्धा तिथि सर्वदा ग्रहण करने योग्य है।"

उक्त विचारके अनुसार इस तालिकाको यथासम्भव निर्भूल प्रस्तुत करनेका प्रयत्न किया गया है। शुद्ध-वैष्णवगण इस व्रतोपवास-तालिकाके विधानके अनुसार यात्रा-महोत्सव और व्रतोपवासादिका पालन करके हमारे प्रति कृपा-आशीर्वाद करें—यही सविनय निवेदन है।

विशेष द्रष्टव्य

- इस पञ्जिकामें तिथियोंका निर्णय गौड़ीय-वैष्णव (गोस्वामी) मतानुसार किया गया है। इस मतानुसार सूर्योदयके समय जो तिथि रहती है, वही तिथि सम्पूर्ण दिनके लिए मान्य होती है।

- श्रीमद्भागवतके नवम-स्कन्धमें वर्णित शुद्ध-भक्त श्रीअम्बरीष महाराजके उपाख्यानसे यह जाना जाता है कि एकादशी-व्रतके अगले दिन निर्धारित समयपर व्रत नहीं खोलनेसे व्रत फलहीन हो जाता है। अतः निर्धारित समय पर ही व्रतका पारण करके व्रत खोलना चाहिए। इसी उद्देश्यसे इस पञ्जिकामें व्रतके अगले दिनमें व्रतके पारणका समय लिखा गया है।

- श्रीचैतन्य महाप्रभुके परिकरों एवं भक्तोंकी आविर्भाव और तिरोभाव तिथि-पूजाके समय उन-उन भक्तोंके पावन चरित्ररूपी अमृतके आस्वादन अर्थात् श्रवण और कीर्त्तनका सौभाग्य प्राप्त करके श्रीगुरुपदाश्रित साधक शुद्ध-भजन-साधनके मार्गमें अग्रसर होनेकी प्रेरणा प्राप्त कर सकते हैं।

- इस चान्द्रवर्षमें १३ जुलाई २०१८, ११ अगस्त २०१८ एवं ५ जनवरी २०१९ को लगनेवाले सूर्यग्रहण तथा २१ जनवरी २०१९को लगनेवाला चन्द्रग्रहण भारतवर्षमें दृश्य नहीं होनेके कारण भारतवर्षमें इन चारों ग्रहणोंकी मान्यता नहीं होगी तथा धार्मिक दृष्टिसे सूतक, वेध, यम, नियम, स्नान, दानादि पर्व पुण्यादिकी मान्यता भी नहीं होगी। २७ जुलाई २०१८को लगनेवाला चन्द्रग्रहण भारतवर्षमें दृश्य होनेके कारण भारतवर्षमें इस चन्द्रग्रहणकी मान्यता होगी।

- "स्मार्त्त मतके अनुसार ग्रहणका समय अशुद्ध काल है। अशुचि अवस्थामें जो समस्त कार्य स्मार्त्त लोगोंको नहीं करने होते, वे लोग ग्रहणके समय भी वह सब कार्य नहीं करते। किन्तु सेवा-परायण वैध-भक्तोंके लिए इन समस्त प्राकृत विधियों की अपेक्षा न कर सम्भव होनेपर यथाकाल(भगवत्) सेवा करना ही कर्त्तव्य है।"—श्रील प्रभुपाद श्रीश्रीमद्भक्तिसिद्धान्त सरस्वती ठाकुरकी पत्रावली

एकादशी-व्रतके पारणका नियम

यदि एकादशी-व्रतका पालन निर्जला किया हो, तो चरणामृत द्वारा पारण करें, फलाहार किया हो तो अन्न-प्रसादके द्वारा पारण करें। भगवान् श्रीजगन्नाथके अन्न-महाप्रसादके द्वारा व्रतका पारण करना सर्वश्रेष्ठ है। नियमित समय पर पारण करनेसे ही एकादशीका व्रत सम्पूर्ण होता है। महाद्वादशीका व्रत उपस्थित होनेपर एकादशी तिथिके दिन व्रतका पालन न करके महाद्वादशी तिथिके दिन ही व्रतको पालन करनेका नियम है।

एकादशी एवं अन्य भगवदवतारोंके व्रतके लिए निषिद्ध खाद्य पदार्थ

- टमाटर, बैंगन, फूल गोभी, शिमला मिर्च, मटर, चना, सब प्रकारकी सेम, लोबिया, राजमा इत्यादि एवं उनसे बने पदार्थ जैसे पापड़, सोयाबीनकी दही, सोयाबीनका दूध इत्यादि।
- करेला, लौकी, परमल, तोरई, सेम, डन्ठल, भिंडी, केलेका फूल।
- सभी प्रकारकी पत्तेवाली सब्जियाँ—पालक, सलाद, पत्ता गोभी, कड़ी पत्ता, नीम पत्ता इत्यादि।
- अन्न जातीय—बाजरा, जौं, सूजी, दलिया, चावल, श्यामा चावल, मक्का, सभी प्रकारकी दालें एवं अन्न, साबुदाना, गेहूँका आटा एवं समस्त प्रकारके आटे जैसे चावलका आटा, चनेका आटा, उड़दकी दालका आटा इत्यादि।
- मक्का या अन्नका माड़ तथा उनसे बनी या मिश्रित वस्तुएँ जैसे—बेकिंग सोडा, बेकिंग पाउडर, कस्टर्ड, केक, हलवा, क्रीम, मिठाई, साबु-दाना इत्यादि।
- अन्न जातीय तेल जैसे मक्का तेल, सरसोंका तेल, तिलका तेल इत्यादि तथा इनमें तले हुए पदार्थ, जैसे मूंगफली, काजु, आलूके चिप्स इत्यादि।
- शहद।

एकादशीमें व्यवहार किये जानेवाले मसाले

- हल्दी, काली मिर्च, अदरक तथा शुद्ध नमक (जो अन्य दिनोंमें व्यवहृत न किया गया हो या नया पैकेट)

निषिद्ध मसाले

- तिल, जीरा, हींग, मेंथी, सरसों, इमली, सौंफ, खसखस, कलौंज, अजवाइन, इलायची, जायफल, लौंग इत्यादि।

समस्त व्रतोंमें व्यवहार किये जानेवाले खाद्य पदार्थ

- समस्त प्रकारके ताजे फल तथा मेवे तथा मेवोंसे बने तेल। आलू, कद्दू (पेठा), खीरा, मूली, कच्चा पपीता, नीम्बू, कटहल, जैतुन, नारियल।
- दूधसे बने पदार्थ।

चातुर्मास्यके समय निषिद्ध पदार्थ

- टमाटर, बैंगन, सेम, लोबिया, लौकी, परमल, उड़द दाल एवं शहद। प्रथम मास—हरे पत्तेवाली सब्जियाँ साग; द्वितीय मास—दही; तृतीय मास—दूध; तथा चतुर्थ मासमें सरसोंका तेल इत्यादि निषिद्ध हैं।

ग्रहणके समयमें ध्यान देने योग्य बातें

- ग्रहणके समय रन्धन, आहार-निद्रा निषिद्ध है। मल-मूत्र त्यागको यथासम्भव रोकें तथा श्रीभगवान्‌का नाम-संकीर्त्तन करते हुए ग्रहणके समयको व्यतीत करें।

विज्ञप्ति

जगद्गुरु श्रील प्रभुपाद श्रीश्रीमद्भक्तिसिद्धान्त सरस्वती गोस्वामी ठाकुरके द्वारा अनुसृत एवं स्वीकृत प्राचीन गणना-पद्धति 'सूर्यसिद्धान्त' के अनुसार ही इस व्रत-तालिकाके समस्त व्रतादि विषयोंकी गणना की जाती है। अतएव इस व्रत-तालिकामें आधुनिक 'दृक्-सिद्धान्त' के अनुसार गणित पञ्जिकाओंसे किसी-किसी स्थान पर व्रतदिवसके सम्बन्धमें भिन्नता रह सकती है। पुनः स्मार्त्त मतके अनुसार की गयी गणनासे भी भिन्नता रहना सम्भव है। अतः व्रतोत्सव पालनकारी सज्जन पाठकोंसे अनुरोध है कि वे इन स्थलोंपर विचलित न हों।

इसके अतिरिक्त भारतके पूर्वाञ्चल और पश्चिमाञ्चलमें सूर्योदयके समयमें अन्तर हेतु शास्त्रके विचारानुसार ही किसी-किसी एकादशी व्रतके क्षेत्रमें व्रतदिवसमें भिन्नता घटती है। जिन पञ्जिकाओंमें पश्चिमाञ्चलमें सूर्योदयके अनुसार व्रत-दिवसोंकी गणना प्रदर्शित नहीं हुई, उन पञ्जिकाओंमें व्रत-दिवसोंकी भिन्नता देखकर भक्तजन विचलित न हों—यही निवेदन है।

चैत्र—विष्णु मास

श्रीगौराब्द ५३२
ई॰ २०१८

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०८	९ मार्च	शुक्र	श्रील श्रीवास पण्डितका आविर्भाव।
कृ. ११	**१३ मार्च**	**मंगल**	**पापमोचनी एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद १०-२० से पहले पारण। द्वादशी—मंगलवार दिन १-२५से बुधवार दोपहर ३-१६ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १२	१४ मार्च	बुध	श्रीगोविन्द घोष ठाकुरका तिरोभाव।
कृ. ३०	१७ मार्च	शनि	अमावस्या। विक्रम सम्वत् २०७४ समाप्त।
शु. ०१	१८ मार्च	रवि	विक्रम सम्वत् २०७५ आरम्भ।
शु. ०५	२२ मार्च	बृह.	श्रील रामानुजाचार्यका आविर्भाव। श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिहृदय वन गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. ०७	२४ मार्च	शनि	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिविलास तीर्थ गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. ०९	**२५ मार्च**	**रवि**	**श्रीरामनवमी व्रतोपवास।** श्रीश्रीमद्भक्तिवल्लभ तीर्थ गोस्वामी महाराजका आविर्भाव। (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-२३ से पहले पारण)
शु. ११	**२७ मार्च**	**मंगल**	**कामदा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और दिन १०-२१से पहले पारण। श्रीकृष्णका दमनकरोपण उत्सव। द्वादशी—मंगलवार रात्रि १२-१९से बुधवार रात्रि १०-१४ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १५	**३१ मार्च**	**शनि**	पूर्णिमा। **श्रीबलदेव प्रभुकी रासयात्रा, श्रीकृष्णकी वसन्त रासयात्रा।** श्रील वंशीवदनानन्द गोस्वामी और श्रील श्यामानन्द प्रभुका आविर्भाव।

वैशाख—मधुसूदन मास

श्रीगौराब्द ५३२
ई॰ २०१८

पक्ष	तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ.	०६	६ अप्रैल	शुक्र	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिकुमुद सन्त गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
कृ.	०७	७ अप्रैल	शनि	श्रील अभिराम ठाकुरका तिरोभाव।
कृ.	१०	१० अप्रैल	मंगल	श्रील वृन्दावनदास ठाकुरका तिरोभाव।
कृ.	**११**	**१२ अप्रैल**	**बृह.**	**वरुथिनी एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और प्रातः ७-२०से पहले पारण। द्वादशी—बृहस्पतिवार प्रातः ६-१८से शुक्रवार प्रातः७-२० बजे तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ.	**१३**	**१४ अप्रैल**	**शनि**	**श्रीकेशव-व्रत आरम्भ। एक मासके लिए तुलसीमें जलधारा दान आरम्भ।**
कृ.	१४	१५ अप्रैल	रवि	सौरवर्ष आरम्भ।
कृ.	**३०**	**१६ अप्रैल**	**सोम**	**अमावस्या।श्रील गदाधर पण्डित प्रभुका आविर्भाव।**
शु.	०१	१७ अप्रैल	मंगल	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिविचार यायावर गोस्वामी महाराजका आविर्भाव
शु.	**०३**	**१८ अप्रैल**	**बुध**	**अक्षय तृतीया। श्रीश्रीजगन्नाथदेवकी चन्दन-यात्रा आरम्भ, श्रीबद्रीनारायणजीका द्वारोद्घाटन। श्रीगौड़ीय वेदान्त समितिका प्रतिष्ठा-दिवस।**
शु.	**०९**	**२४ अप्रैल**	**मंगल**	**श्रीनित्यानन्दशक्ति श्रीजाह्नवादेवी तथा श्रीरामशक्ति श्रीसीतादेवीका आविर्भाव।** श्रील मधु पण्डित प्रभुका तिरोभाव।
शु.	**११**	**२६ अप्रैल**	**बृह.**	**मोहिनी एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और प्रातः ७-५५ से पहले पारण। द्वादशी—बृहस्पतिवार दिन ९-२८से शुक्रवार दिन ७-५५ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु.	**१४**	**२९ अप्रैल**	**रवि**	**श्रीनृसिंह-चतुर्दशी-व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद प्रातः ५-४९* से पहले पारण)
शु.	१५	३० अप्रैल	सोम	पूर्णिमा। श्रील श्रीनिवास आचार्य प्रभु और श्रील माधवेन्द्र पुरीपादका आविर्भाव। श्रील परमेश्वरी ठाकुरका तिरोभाव। श्रीराधारमणदेवजीकी प्राकट्य तिथि।

* जिस स्थान पर सूर्योदय ५-४९के बाद होगा, वहाँ सूर्योदयके बाद पारण।

ज्येष्ठ—त्रिविक्रम मास (कृष्ण-पक्ष)

श्रीगौराब्द ५३२
ई॰ २०१८

पक्ष	तिथि	दिनांक	मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ.	०१	१	मई	मंगल	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिसारङ्ग गोस्वामी महाराजका तिरोभाव
कृ.	०५	५	मई	शनि	श्रील रायरामानन्द प्रभुका तिरोभाव।
कृ.	**११**	**११**	**मई**	**शुक्र**	**अपरा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-०१ से पहले पारण। द्वादशी—शुक्रवार रात्रि ८-३२से शनिवार रात्रि ८-३१ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ.	१२	१२	मई	शनि	श्रील वृन्दावनदास ठाकुरका आविर्भाव।
कृ.	३०	१५	मई	मंगल	अमावस्या। श्रीकेशव-व्रत समाप्त। सायं ५-३७के बाद पुरुषोत्तम-मास आरम्भ।

पुरुषोत्तम-मास

शु.	०१	१६	मई	बुध	श्रीपुरुषोत्तम-व्रत आरम्भ।
शु.	**११**	**२५**	**मई**	**शुक्र**	**कामदा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-५८ से पहले पारण। द्वादशी—शुक्रवार रात्रि ७-०५से शनिवार सायं ६-२० तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु.	१५	२९	मई	मंगल	पूर्णिमा।
कृ.	११	१०	जून	रवि	**कमला एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ७-०४ से पहले पारण। द्वादशी—रविवार दिन ८-०२से सोमवार प्रातः ७-०४ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ.	३०	१३	जून	बुध	अमावस्या। रात्रि १-५२के बाद पुरुषोत्तम-मास समाप्त। श्रीपुरुषोत्तम-व्रत समाप्त।

ज्येष्ठ—त्रिविक्रम मास(शुक्ल-पक्ष)

श्रीगौराब्द ५३२
ई॰ २०१८

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
शु. ०९	२२ जून	शुक्र	श्रील बलदेव विद्याभूषण प्रभुका तिरोभाव। रात्रि ७-२९के बाद अम्बुवाची आरम्भ। (अम्बुवाची काल-अवधिमें भूमिको खोदना नहीं चाहिए)
शु. १०	२३ जून	शनि	श्रीगंगादेवीका आविर्भाव। गंगा दशहरा, श्रीगंगापूजा। श्रीगंगामाता गोस्वामिनीका तिरोभाव।
शु. ११	**२४ जून**	**रवि**	**पाण्डवा निर्जला एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ६-०१ से पहले पारण। द्वादशी—रविवार प्रातः ५-४९से सोमवार प्रातः ६-०१ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १३	**२६ जून**	**मंगल**	**श्रीपाट पाणिहाटीमें श्रील रघुनाथदास गोस्वामीका दण्ड(दही-चिड़वा)-महोत्सव।** प्रातः ७-५३के बाद अम्बुवाची समाप्त।
शु. १५	**२८ जून**	**बृह.**	पूर्णिमा। **श्रीजगन्नाथदेवकी स्नानयात्रा।** श्रील मुकुन्द दत्त और श्रील श्रीधर पण्डितका तिरोभाव।

आषाढ़—वामन मास(कृष्ण-पक्ष)

कृ. ०१	२९ जून	शुक्र	श्रील श्यामानन्द प्रभुका तिरोभाव।
कृ. ०५	३ जुलाई	मंगल	श्रील वक्रेश्वर पण्डितका आविर्भाव।
कृ. १०	८ जुलाई	रवि	श्रील श्रीवास पण्डितका तिरोभाव।
कृ. ११	**९ जुलाई**	**सोम**	**योगिनी एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-०७ से पहले पारण। द्वादशी—सोमवार सायं ५-२५से मंगलवार दोपहर ३-४१ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. ३० + शु. ०१	**१३ जुलाई**	**शुक्र**	**अमावस्या। श्रीगौरशक्ति श्रील गदाधर पण्डित और श्रील सच्चिदानन्द भक्तिविनोद ठाकुरका तिरोभाव। श्रीजगन्नाथदेवके श्रीगुण्डिचा-मन्दिरका मार्जन।** खण्डग्रास सूर्यग्रहण, (भारतवर्षमें अदृश्य।)

आषाढ़—वामन मास(शुक्ल-पक्ष)

श्रीगौराब्द ५३२
ई॰ २०१८

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
शु. ०२	**१४ जुलाई**	**शनि**	**श्रीजगन्नाथदेवकी रथयात्रा।** श्रील स्वरूप दामोदर गोस्वामी और श्रील शिवानन्दसेनका तिरोभाव।
शु. ०६	१८ जुलाई	बुध	हेरा-पञ्चमी(उत्कल मतानुसार)। श्रीलक्ष्मी-विजय।
शु. १०	**२२ जुलाई**	**रवि**	**श्रीजगन्नाथदेवकी पुनर्यात्रा।** श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिकमल मधुसूदन गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु. ११	**२३ जुलाई**	**सोम**	**शयन एकादशी व्रतोपवास।** श्रीहरिशयन। श्रीश्रीमद्भक्तिविज्ञान भारती गोस्वामी महाराजका आविर्भाव। (अगले दिन सूर्योदयकके बाद और १०-१०से पहले पारण। द्वादशी—सोमवार संध्या ६-१५से मंगलवार रात्रि ७-२४ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १५	**२७ जुलाई**	**शुक्र**	**श्रीगुरुपूर्णिमा, श्रीव्यासपूजा। श्रील सनातन गोस्वामी प्रभुका तिरोभाव। चातुर्मास्य व्रत प्रारम्भ**—श्रावणमासमें शाक (हरे पत्ते), भाद्रमें दही, आश्विनमें दूध, कार्तिक-मासमें सरसोंके तेल इत्यादिका परित्याग। पूर्णग्रास चन्द्रग्रहण, भारतवर्षमें सर्वत्र दृश्य—आरम्भ—रात्रि११-५४, समाप्ति—रात्रि३-४९; ग्रहण स्थिति—३घः-५५मि।

श्रावण—श्रीधर मास

श्रीगौराब्द ५३२
ई॰ २०१८

पक्ष	तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ.	०१	२८ जुलाई	शनि	श्रीगौर-पार्षद श्रील प्रबोधानन्द सरस्वती गोस्वामीका तिरोभाव।
कृ.	०२	२९ जुलाई	रवि	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिहृदय वन गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
कृ.	०५	२ अगस्त	बृह.	श्रील गोपालभट्ट गोस्वामी प्रभुका तिरोभाव।
कृ	०८	५ अगस्त	रवि	श्रीगौर-पार्षद श्रील लोकनाथ गोस्वामी प्रभुका तिरोभाव।
कृ.	**११**	**७ अगस्त**	**मंगल**	**कामिका एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन प्रातः ६-५६के बाद और १०-०५से पहले पारण। द्वादशी—मंगलवार रात्रि १-२९से बुधवार रात्रि ११-१५ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ.	३०	११ अगस्त	शनि	अमावस्या। श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिरक्षक श्रीधर गोस्वामी महाराजका तिरोभाव। खण्डग्रास सूर्यग्रहण, भारतवर्षमें अदृश्य।
शु.	**११**	**२२ अगस्त**	**बुध**	**पवित्रारोपणी एकादशी व्रतोपवास। श्रीश्रीराधा-गोविन्दकी झूलनयात्रा आरम्भ।** (अगले दिन प्रातः सूर्योदयके बाद और १०-०५ से पहले पारण। द्वादशी—बुधवार दिन ८-४४से बृहस्पतिवार दिन १०-३५ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु.	**१२**	**२३ अगस्त**	**बृह.**	**श्रीकृष्णका पवित्रारोपण उत्सव। श्रील रूप गोस्वामी प्रभु,** श्रील गौरीदास पण्डित और श्रील गोविन्ददास पण्डित**का तिरोभाव। (श्रीरूप-सनातन गौड़ीय मठ, वृन्दावनमें श्रील रूप गोस्वामी प्रभुका विरह-महोत्सव)।**
शु.	**१५**	**२६ अगस्त**	**रवि**	**श्रीबलदेव पूर्णिमा व्रतोपवास। श्रीबलदेव प्रभुका आविर्भाव।** श्रीश्रीराधागोविन्दकी झूलन-यात्रा समाप्ति। रक्षाबन्धन। (अगले दिन प्रातः सूर्योदयके बाद और १०-०६ से पहले पारण।)

भाद्र—हृषीकेश मास

श्रीगौराब्द ५३२
ई॰ २०१८

पक्ष	तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ.	०८	३ सितम्बर	सोम	**श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-०५ से पहले पारण।)
कृ.	०९	४ सितम्बर	मंगल	**श्रीनन्दोत्सव।** **श्रील प्रभुपाद-पार्षद इस्कॉन संस्थापक श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त स्वामी महाराजका आविर्भाव।**
कृ.	११	६ सितम्बर	बृह.	**अन्नदा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद प्रातः ६-४० से पहले पारण। द्वादशी—बृहस्पतिवार दिन ९-०७से शुक्रवार प्रातः ६-४० तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ.	३०	९ सितम्बर	रवि	अमावस्या।
शु.	०१	१० सितम्बर	सोम	श्रीश्रीमद्गौरगोविन्द महाराजका आविर्भाव।
शु.	०५	१४ सितम्बर	शुक्र	श्रीअद्वैतपत्नी श्रीसीतादेवीका आविर्भाव।
शु.	०७	१६ सितम्बर	रवि	श्रीललिता सप्तमी।
शु.	०८	१७ सितम्बर	सोम	**श्रीश्रीराधाष्टमी व्रत।**
शु.	१२	२१ सितम्बर	शुक्र	**श्रवणा महाद्वादशी एवं श्रीवामन द्वादशी व्रतोपवास। श्रीवामनदेवका आविर्भाव। श्रील जीव गोस्वामी प्रभुका आविर्भाव।** (अगले दिन प्रातः सूर्योदयके बाद और १०-०४से पहले पारण। द्वादशी—बृहस्पतिवार रात्रि १-०५से शुक्रवार रात्रि ३-०७ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु.	१३	२२ सितम्बर	शनि	**श्रील सच्चिदानन्द भक्तिविनोद ठाकुरका आविर्भाव।**
शु.	१४	२३ सितम्बर	रवि	**नामाचार्य श्रील हरिदास ठाकुरका तिरोभाव।** श्रीश्रीमद्भक्तिविज्ञान भारती गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु.	१५	२५ सितम्बर	मंगल	पूर्णिमा। **श्रीविश्वरूप महोत्सव।** नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराज एवं श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त स्वामी महाराजका संन्यास ग्रहण दिवस।

आश्विन—पद्मनाभ मास

श्रीगौराब्द ५३२
ई॰ २०१८

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०२	२७ सितम्बर	बृह.	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिविलास तीर्थ गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
कृ. ०६	१ अक्टूबर	सोम	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिश्रीरूप सिद्धान्ती गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
कृ. ११	**५ अक्टूबर**	**शुक्र**	**इन्दिरा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदय के बाद १०-०५ से पहले पारण। द्वादशी—शुक्रवार सायं ५-१४से शनिवार दोपहर २-५४ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. ३०	९ अक्टूबर	मंगल	अमावस्या।
शु. ०४	१३ अक्टूबर	शनि	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिप्रमोद पुरी गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु. ०९	१८ अक्टूबर	बृह.	एक मास तक **आकाशमें दीपदानका आरम्भ** दीपदान मन्त्रः- **दामोदराय नभसि तुलायां लोलया सह। प्रदीपन्ते प्रयच्छामि नमोऽनन्ताय वेधसे।।** (ह.भ.वि.)
शु. १०	१९ अक्टूबर	शुक्र	विजय-दशमी। भगवान् श्रीरामचन्द्रजीका शुभ विजयोत्सव। श्रील मध्वाचार्यका आविर्भाव।
शु. ११	**२० अक्टूबर**	**शनि**	**पापाङ्कुशा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-०२ से पहले पारण। द्वादशी—शनिवार संध्या ६-३२से रविवार रात्रि ८-०७ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १२	२१ अक्टूबर	रवि	श्रील रघुनाथदास गोस्वामी, श्रील रघुनाथभट्ट गोस्वामी एवं श्रील कृष्णदास कविराज गोस्वामीका तिरोभाव।
शु. १५	**२४ अक्टूबर**	**बुध**	**शरद-पूर्णिमा। श्रीश्रीराधाकृष्णकी शारदीय-रासयात्रा। कार्तिकव्रत, ऊर्जाव्रत, दामोदरव्रत, नियम-सेवा प्रारम्भ। श्रीमुरारिगुप्तका तिरोभाव। श्रीगौड़ीय वेदान्त समितिके प्रतिष्ठाता श्रील प्रभुपाद-अन्तरङ्ग ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजका ५०वाँ वर्षपूर्त्ति विरह-महोत्सव।**

कार्तिक—दामोदर मास(कृष्ण-पक्ष)

श्रीगौराब्द ५३२
ई॰ २०१८

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०५	२९ अक्टूबर	सोम	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिकुशल नारसिंह महाराजका तिरोभाव।
कृ. ०७	३१ अक्टूबर	बुध	श्रील नरोत्तमदास ठाकुरका तिरोभाव।
कृ. ०८	१ नवम्बर	बृह.	**बहुलाष्टमी। श्रीराधाकुण्डकी प्राकट्य तिथि।** श्रीराधाकुण्डमें स्नान-दानादि महोत्सव। श्रील गदाधर दास ठाकुरका तिरोभाव।
कृ. ०९	२ नवम्बर	शुक्र	श्रीवीरचन्द्र प्रभुका आविर्भाव। श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिरक्षक श्रीधर गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
कृ. १२	**४ नवम्बर**	**रवि**	**रमा एकादशी व्रतोपवास।** श्रीखण्डवासी श्रील नरहरि सरकार ठाकुरका तिरोभाव। (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-०५ से पहले पारण। द्वादशी—शनिवार रात्रि २-४१से रविवार रात्रि १२-४८ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १४	६ नवम्बर	मंगल	यम-चतुर्दशी। श्रीविष्णु मन्दिरमें १४ दीपदान।
कृ. ३०	**७ नवम्बर**	**बुध**	**अमावस्या। दीपावली। श्रीविष्णु मन्दिरमें दीपदान।**

कार्तिक—दामोदर मास(शुक्ल-पक्ष)

श्रीगौराब्द ५३२
ई॰ २०१८

पक्ष	तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
शु.	**०१**	**८ नवम्बर**	**बृह.**	**श्रीगोवर्धन पूजा, अन्नकूट महोत्सव,** गोक्रीड़ा और गोपूजा। श्रील रसिकानन्द प्रभुका आविर्भाव।
शु.	०२	९ नवम्बर	शुक्र	श्रीगौर-पार्षद श्रील वासुदेव घोषका तिरोभाव। भ्रातृद्वितीया (भैया-दूज), यमद्वितीया।
शु.	**०३**	**१० नवम्बर**	**शनि**	**नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त वामन गोस्वामी महाराज एवं श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त त्रिविक्रम गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।**
शु.	**०४**	**११ नवम्बर**	**रवि**	**श्रील प्रभुपाद-पार्षद इस्कॉन संस्थापक श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त स्वामी महाराजका तिरोभाव।**
शु.	०५	१२ नवम्बर	सोम	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिश्रीरूप सिद्धान्ती गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु.	**०८**	**१६ नवम्बर**	**शुक्र**	**गोपाष्टमी।** श्रील गदाधर दास ठाकुर, श्रील धनञ्जय पण्डित एवं श्रील श्रीनिवास आचार्यका तिरोभाव।
शु.	०९	१७ नवम्बर	शनि	आकाशमें दीपदानकी समाप्ति।
शु.	**११**	**१९ नवम्बर**	**सोम**	**उत्थान एकादशी व्रतोपवास। श्रील गौरकिशोर दास बाबाजी महाराजका तिरोभाव।** श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिदयित माधव गोस्वामी महाराजका आविर्भाव। भीष्मपञ्चक आरम्भ। (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-१४ से पहले पारण। द्वादशी—सोमवार दिन ११-५४से मंगलवार दोपहर १२-३७ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु.	१४	२२ नवम्बर	बृह.	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिप्रमोद पुरी गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु.	**१५**	**२३ नवम्बर**	**शुक्र**	**पूर्णिमा। श्रीश्रीराधाकृष्णकी हैमन्तिकी रासयात्रा। चातुर्मास्य-व्रत, कार्तिक-व्रत, दामोदर-व्रत, नियम-सेवा समाप्त।** श्रील भृगर्भ गोस्वामी एवं श्रील काशीश्वर पण्डितका तिरोभाव।

मार्गशीर्ष—केशव मास

श्रीगौराब्द ५३२
ई॰ २०१८

पक्ष	तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ.	०१	२४ नवम्बर	शनि	श्रीकात्यायनी-व्रत आरम्भ।
कृ.	**११**	**३ दिसम्बर**	**सोम**	**उत्पन्ना एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-१५ से पहले पारण। द्वादशी—सोमवार दोपहर २-०८से मंगलवार दोपहर १२-५९ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ.	१३	५ दिसम्बर	बुध	श्रीगौर-पार्षद श्रील सारङ्ग ठाकुरका तिरोभाव
कृ.	३०	७ दिसम्बर	शुक्र	अमावस्या।
शु.	०३	१० दिसम्बर	सोम	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिजीवन जनार्दन गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु.	०८	१५ दिसम्बर	शनि	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिजीवन जनार्दन गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु.	०९	१६ दिसम्बर	रवि	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिकमल मधुसूदन गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
शु.	**११**	**१८ दिसम्बर**	**मंगल**	**मोक्षदा एकादशी व्रतोपवास।** **श्रीमद्भगवद्गीताकी प्राक्ट्य तिथि।** (अगले दिन १०-०६के बाद पारण। द्वादशी—बुधवार प्रातः ४-१०से बुधवार देर रात्रि ३-५० तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु.	१५	२२ दिसम्बर	शनि	पूर्णिमा। श्रीकात्यायनी-व्रत समाप्त।

पौष—नारायण मास

श्रीगौराब्द ५३२
ई॰ २०१८-१९

पक्ष	तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ.	**०४**	**२६ दिसम्बर**	**बुध**	**जगद्गुरु ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिसिद्धान्त सरस्वती गोस्वामी ठाकुर प्रभुपादका ८१वाँ विरह-महोत्सव।**
कृ.	**०९**	**३० दिसम्बर**	**रवि**	**नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त वामन गोस्वामी महाराजकी ९८वीं आविर्भाव-तिथि-श्रीव्यासपूजा। परमाराध्यतम श्रील गुरुदेव नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजका अष्टम् वर्षपूर्त्ति विरह-महोत्सव।**
कृ.	**११**	**१ जनवरी**	**मंगल**	**सफला एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन ९-५०के बाद १०-३१से पहले पारण। द्वादशी—मंगलवार रात्रि ३-५२से बुधवार रात्रि ३-४२ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ.	१२	२ जनवरी	बुध	श्रीदेवानन्द पण्डितका तिरोभाव। श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिभूदेव श्रौती गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
कृ.	१३	३ जनवरी	बृह.	श्रील महेश पण्डित एवं श्रील उद्धारण दत्त ठाकुरका तिरोभाव।
कृ.	३०	५ जनवरी	शनि	अमावस्या। खण्डग्रास सूर्यग्रहण(भारतवर्षमें अदृश्य)।
शु.	**०३**	**९ जनवरी**	**बुध**	**श्रील जीव गोस्वामी प्रभुका तिरोभाव।**
शु.	**०९**	**१५ जनवरी**	**मंगल**	**मकर-संक्रान्ति, गंगासागर-स्नान।**
शु.	**११**	**१७ जनवरी**	**बृह.**	**पुत्रदा एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन प्रातः सूर्योदयके बाद और १०-३४ से पहले पारण। द्वादशी—बृहस्पतिवार रात्रि ६-३५से शुक्रवार संध्या ५-१८ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु.	१२	१८ जनवरी	शुक्र	श्रील जगदीश पण्डितका तिरोभाव
शु.	१३	१९ जनवरी	शनि	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिकुमुद सन्त गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु.	१५	२१ जनवरी	सोम	पूर्णिमा। श्रीकृष्णकी पुष्याभिषेक यात्रा। पूर्णग्रास चन्द्रग्रहण(भारतवर्षमें अदृश्य)।

माघ—माधव मास(कृष्ण-पक्ष)

श्रीगौराब्द ५३२
ई॰ २०१९

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०३	२३ जनवरी	बुध	श्रील गोपालभट्ट गोस्वामीका आविर्भाव। श्रील रामचन्द्र कविराज गोस्वामीका तिरोभाव।
कृ. ०५	२५ जनवरी	शुक्र	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रील नरहरि सेवाविग्रह प्रभुका तिरोभाव। श्रीश्रीमद्भक्तिवैभव पुरी गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
कृ. ०६	२६ जनवरी	शनि	श्रील जयदेव गोस्वामीका तिरोभाव।
कृ. ०९	२९ जनवरी	मंगल	श्रील लोचनदास ठाकुरका तिरोभाव।
कृ. ११	**३१ जनवरी**	**बृह.**	**षट्तिला एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-३२ से पहले पारण। द्वादशी—बृहस्पतिवार रात्रि ७-३८से शुक्रवार रात्रि ८-३३ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १२	**१ फरवरी**	**शुक्र**	**श्रीश्रीमद्भक्तिवेदान्त त्रिविक्रम गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।**
कृ. ३०	**४ फरवरी**	**सोम**	**मौनी-अमावस्या। परमाराध्यतम श्रील गुरुदेव नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजकी ९८वीं आविर्भाव-तिथिपूजा। श्रीव्यासपूजा-महोत्सव।**

माघ—माधव मास(शुक्ल-पक्ष)

श्रीगौराब्द ५३२
ई॰ २०१९

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
शु. ०५	**१० फरवरी**	**रवि**	**श्रीकृष्णकी वसन्त-पञ्चमी।** श्रीगौरशक्ति श्रीविष्णुप्रियादेवी, श्रीपुण्डरीक विद्यानिधि, श्रील रघुनाथ दास गोस्वामी और श्रील रघुनन्दन ठाकुरका आविर्भाव। श्रील विश्वनाथ चक्रवर्त्ती ठाकुर और श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिविवेक भारती गोस्वामी महाराजका तिरोभाव। श्रीसरस्वती पूजा।
शु. ०७	**१२ फरवरी**	**मंगल**	**महाविष्णुके अवतार श्रीअद्वैताचार्य प्रभुके आविर्भावके उपलक्ष्यमें व्रतोपवास।** माकरी सप्तमी (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-३४ से पहले पारण।)
शु. ०९	१४ फरवरी	बृह.	श्रील मध्वाचार्यका तिरोभाव।
शु. १०	१५ फरवरी	शुक्र	श्रील रामानुजाचार्यका तिरोभाव।
शु. १२	**१६ फरवरी**	**शनि**	**भैमी एकादशी एवं श्रीवराह द्वादशी व्रतोपवास। श्रीवराहदेवका आविर्भाव।** (निर्जला)** श्रील केशव भारतीका आविर्भाव। (अगले दिन सूर्योदयके बाद १०-३२से पहले चरणामृत द्वारा पारण। द्वादशी—शनिवार प्रातः ६-४२से शनिवार देर रात्रि ४-४५ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १३	**१७ फरवरी**	**रवि**	**श्रीनित्यानन्द त्रयोदशी व्रतोपवास, श्रीनित्यानन्द प्रभुका आविर्भाव।** अनुकल्प ग्रहण (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-२५ से पहले पारण।)
शु. १५	**१९ फरवरी**	**मंगल**	**माघी-पूर्णिमा। श्रीकृष्णका मधुरोत्सव। श्रील नरोत्तमदास ठाकुरका आविर्भाव।**

**उक्त प्रकारसे दो उपवास रखनेमें असमर्थ व्यक्ति भैमी-एकादशीका व्रत अनुकल्प द्वारा करके त्रियोदशी-तिथिको श्रीनित्यानन्द प्रभुके अर्चनके उपरान्त १०-३२से पहले पारण करें।

फाल्गुन—गोविन्द मास(कृष्ण-पक्ष)

श्रीगौराब्द ५३२
ई॰ २०१९

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०३	**२२ फरवरी**	**शुक्र**	**श्रीगौड़ीय वेदान्त समितिके प्रतिष्ठाता-नियामक श्रील प्रभुपाद-अन्तरङ्ग नित्यलीलाप्रविष्ट ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजकी १२१वीं आविर्भाव-तिथिपूजा।**
कृ. ०५	**२४ फरवरी**	**रवि**	**जगद्गुरु ॐ विष्णुपाद परमहंस अष्टोत्तरशतश्री श्रीमद्भक्तिसिद्धान्त सरस्वती गोस्वामी ठाकुर प्रभुपादकी १४६वीं आविर्भाव-तिथिपूजा।** श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिभूदेव श्रौती गोस्वामी महाराजका आविर्भाव। श्रीश्रीमद्गौरगोविन्द महाराजका तिरोभाव।
कृ. ०६	२५ फरवरी	सोम	श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिसारङ्ग गोस्वामी महाराजका आविर्भाव।
कृ. ११	**२ मार्च**	**शनि**	**विजया एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-२५ से पहले पारण। द्वादशी—शनिवार दिन १२-५०से रविवार दोपहर २-३५ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. १४	**५ मार्च**	**मंगल**	**श्रीशिवरात्रि व्रत।**(अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-२५ से पहले पारण)।
कृ. ३०	६ मार्च	बुध	अमावस्या।

फाल्गुन—गोविन्द मास(शुक्ल-पक्ष)

श्रीगौराब्द ५३२
ई॰ २०१९

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
शु. ०१	७ मार्च	बृह.	श्रील रसिकानन्द प्रभु, श्रील जगन्नाथदास बाबाजी महाराज और श्रील प्रभुपाद-पार्षद श्रीश्रीमद्भक्तिदयित माधव गोस्वामी महाराजका तिरोभाव।
शु. ०९	**१५ मार्च**	**शुक्र**	**श्रीनवद्वीप-धाम परिक्रमाका संकल्प ग्रहण।** (परिक्रमा काल १६ मार्च से २० मार्च तक)
शु. ११	**१७ मार्च**	**रवि**	**आमलकी एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और १०-०५ से पहले पारण। द्वादशी—रविवार दोपहर ४-४९से सोमवार दोपहर २-२८ तक; तुलसी चयन निषेध।)
शु. १२	१८ मार्च	सोम	श्रील माधवेन्द्र पुरी गोस्वामीका तिरोभाव।
शु. १५	**२१ मार्च**	**बृह.**	**श्रीगौर पूर्णिमा, श्रीगौर जयन्तीका व्रतोपवास, महाभिषेक एवं संकीर्तन-महोत्सव।** होली। (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ९-५०से पहले पारण।)

श्रीगौराब्द ५३२ समाप्त

चैत्र—विष्णु मास(कृष्ण-पक्ष)

श्रीगौराब्द ५३३
ई॰ २०१९

पक्ष तिथि	दिनांक मास	वार	व्रत और उत्सव
कृ. ०८	२८ मार्च	बृह.	श्रील श्रीवास पण्डितका आविर्भाव।
कृ. ११	**१ अप्रैल**	**सोम**	**पापमोचनी एकादशी व्रतोपवास।** (अगले दिन सूर्योदयके बाद और ८-३९से पहले पारण। द्वादशी—सोमवार प्रातः ६-३३से मंगलवार दिन ८-३९ तक; तुलसी चयन निषेध।)
कृ. ३०	५ अप्रैल	शुक्र	अमावस्या। विक्रम सम्वत् २०७५ समाप्त।

परमाराध्यतम श्रील गुरुदेव ॐ विष्णुपाद अष्टोत्तरशतश्री
श्रीमद्भक्तिवेदान्त नारायण गोस्वामी महाराजजी
द्वारा
भारतमें प्रतिष्ठित शुद्धभक्ति प्रचार-केन्द्र

१. **श्रीकेशवजी गौड़ीय मठ**, जवाहर हाट, मथुरा, उ. प्र. ☎९७१९०७०९३९
२. **श्रीरूप-सनातन गौड़ीय मठ**, दानगली, वृन्दावन, उ. प्र. ☎०९२१९४७८००१
३. **श्रीश्रीकेशवजी गौड़ीय मठ**, कोलेरडाङ्गा लेन, नवद्वीप, नदीया, प. बं. ☎०९३३३२२२७७५
४. **श्रीदुर्वासा-ऋषि गौड़ीय आश्रम**, ईशापुर, मथुरा, उ. प्र. ☎०९९१७६४३९७१
५. **श्रीगोपीनाथ-भवन,** इमली-तला, परिक्रमा-मार्ग, वृन्दावन, उ. प्र. ☎०९६३४५६३७३९
६. **श्रीगिरिधारी गौड़ीय मठ**, दसविसा, राधाकुण्ड रोड़, गोवर्धन, उ. प्र. ☎(०५६५)२८१५६६८
७. **श्रीरमणबिहारी गौड़ीय मठ**, बी-३, जनकपुरी, नई दिल्ली ☎(०११)२५५३३२६८
८. **श्रीवामन गोस्वामी गौड़ीय मठ**, ३९ रामानन्द चटर्जी स्ट्रीट, कोलकाता ☎०९४३३२०३७१८
९. **श्रीनारायण गोस्वामी गौड़ीय मठ**, ३१/२८ दीनबन्धु मित्रा सरणी, सुभाषपल्ली, सिलीगुड़ी (प.बं.) ☎०८६२९९११४००
१०. **जयश्रीदामोदर गौड़ीय मठ**, चक्रतीर्थ, पुरी, उड़ीसा ☎०९७७६२३८३२८
११. **श्रीराधागोविन्द गौड़ीय मठ**, डी-५, सेक्टर-५५, नोएडा (उ.प्र.) ☎(०१२०)२५८२०१८
१२. **श्रीराधे-कुञ्ज**, आनन्द-वाटिकाके समीप, परिक्रमा मार्ग, वृन्दावन, उ.प्र. ☎०९४५७२२५५६७
१३. **श्रीश्रीगोविन्दजी गौड़ीय मठ**, मकान-२, गली-५, रूपनगर एन्क्लेव, जम्मू ☎०९९०६९०४८०९
१४. **श्रीराधामाधवजी गौडीय मठ**, माधवी कुञ्ज, भूपतवाला, हरिद्वार ☎(०१३३४)२६०८४५
१५. **आनन्द धाम गौड़ीय आश्रम**, परिक्रमा मार्ग, रमणरेती, वृन्दावन, उ.प्र. ☎(०५६५)२५४०८४९
१६. **श्रीराधामदनमोहन गौड़ीय मठ,** २४५/१, २९वाँ क्रास, खगदास पुर, मैंन रोड़, बङ्गलूरु-५६००९३ ☎०९९००१९२७३८
१७. **श्रीश्रीराधामाधव गौड़ीय मठ**, १६२, सैक्टर-१६-ए, फरीदाबाद, हरियाणा ☎०९९११२८३८६९

गौड़ीय वेदान्त प्रकाशनसे प्रकाशित ग्रन्थावली

१. श्रीमद्भगवद्गीता
२. जैवधर्म (जीवका धर्म)
३. श्रीचैतन्य शिक्षामृत
४. श्रीचैतन्यमहाप्रभुके स्वयं-भगवत्ता-प्रतिपादक कतिपय शास्त्रीयप्रमाण
५. श्रीचैतन्यमहाप्रभुकी शिक्षा
६. भक्तितत्त्व-विवेक
७. श्रीगौड़ीय गीतिगुच्छ
८. श्रीवैष्णव सिद्धान्तमाला
९. श्रीउपदेशामृत
१०. श्रीशिक्षाष्टक
११. श्रीमनः शिक्षा
१२. श्रीभक्तिरसामृतसिन्धुबिन्दु
१३. श्रीउज्ज्वलनीलमणिकिरण
१४. श्रीभागवतामृतकणा
१५. श्रीरागवर्त्मचन्द्रिका
१६. सत्क्रियासार-दीपिका
१७. अर्चन दीपिका
१८. मायावादकी जीवनी
१९. श्रीगौड़ीय कण्ठहार
२०. वेणुगीत
२१. श्रीश्रीमद्भक्तिप्रज्ञान केशव गोस्वामी महाराजका चरित एवं शिक्षा
२२. श्रीभजनरहस्य
२३. श्रीव्रजमण्डल परिक्रमा
२४. श्रीप्रबन्धपञ्चकम्
२५. महर्षि दुर्वासा और श्रीदुर्वासा आश्रम
२६. श्रीब्रह्मसंहिता
२७. श्रीरायरामानन्द सम्वाद
२८. श्रीश्रीबृहद्भागवतामृतम् (तीन खण्डोंमें)
२९. श्रीश्रीप्रेमसम्पुट
३०. श्रीश्रीचमत्कारचन्द्रिका
३१. श्रीउज्ज्वलनीलमणि (सम्पूर्ण)
३२. श्रीमाधुर्य कादम्बिनी
३३. श्रीदामोदराष्टकम्
३४. श्रीनवद्वीपधाम माहात्म्य (परिक्रमा-खण्ड)
३५. श्रीश्रीराधाकृष्णगणोद्देश-दीपिका
३६. श्रीश्रीगौरगणोद्देश-दीपिका
३७. श्रीभागवतार्कमरीचिमाला
३८ श्रीमद्भागवतीय चतुःश्लोकी
३९. श्रीसंकल्पकल्पद्रुम
४०. श्रीरासपञ्चाध्यायी
४१. श्रीप्रेमप्रदीप
४२. श्रीरथयात्रा
४३. नामाचार्य श्रील हरिदास ठाकुर
४४. चार वैष्णव आचार्य एवं श्रीगौड़ीय दर्शन
४५. श्रीमद्भागवतम् प्रथम-खण्ड (स्कन्ध १-४)
४६. श्रीमद्भागवत् दशम-स्कन्ध प्रथम, द्वितीय तथा तृतीय-खण्ड (अध्याय १-८, ९-१६, १७-२८)
४७. श्रीवेदान्त-सूत्र(अध्याय १,२,३)
४८. श्रीहरिनाम महामन्त्र
४९. गीत गोविन्द
५०. उत्कलिकावल्लरी
५१. श्रीश्रीभागवत-पत्रिका (मासिक)